केस स्टडी

पानी फिल्टर का सामुहिक उपयोग

टोला– **नया टोला**

राजस्व गाँव– **तेल्हुआँ**

ग्राम पंचायत– **द0 तेल्हुआँ**

पानी फिल्टर की पृष्टभूमि :–

दक्षिण तेल्हुआँ पंचायत के लगभग सभी टोला में अभियान के द्वारा पानी जाँच से यह बात सामने आई हैं कि यहॉ के चापाकल जल स्त्रोतो में आयरन, कोलीफर्म, फ्लोराईड, आर्सेनिक एवं अमोनिया हैं। जो जीवन के लिए हानिकारक हैं। ये स्थिति सरकारी एवं नीजी दोनों तरह के चापाकलों में पाया गया हैं। अभियान ने देखा की इस क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की समस्या है। सभी चापाकल से आयरन युक्त पानी निकलता हैं। चापाकल के पानी से कपड़ा एवं वर्तन पिला हो जा रहा हैं।

शुद्ध पानी के लिए प्रयास :–

मेघ पाईन अभियान ने जब गाँव के लोगों के साथ मिलकर काम करना शुरू किया तो यह पाया गया की यहाँ के चापाकल में आयरन ही आयरन हैं। जहॉ पर कुआँ नही हैं वहॉ पर पेयजल के लिए एक मात्र साधन चापाकल है। गाँव के जब सभी लोग चापाकल के पानी पीने लगे है तो तरह–तरह की बिमारीयाँ होने लगी। जैसे– पेट में गैसटिक, चेहरे में दाग, अपच इत्यादी पेट संबंधित बिमारी का फैलाव होने लगा। जिससे लोगो में शुद्ध पेयजल की एक बड़ी समस्या पैदा हो गई।

मेघ पाईन अभियान ने चापाकल के आयरन युक्त पानी को शुद्ध करने के लिए फिल्टर का निर्माण कराया। इस फिल्टर से पानी को शुद्ध कर पीने के लिए लोगो में एक सोच उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

पानी फिल्टर आयरन केन्द्र का उद्घाटन :–

मेघ पाईन अभियान ने दक्षिण तेल्हुआँ पंचायत के मौजेटोला बिनटोली गाँव में पानी को शुद्ध करने के लिए एक पानी फिल्टर उत्पादन केन्द्र की स्थापन किया है। जिसमें बांस

कारीगरों द्वारा बाँस के कमानी बनाकर फिल्टर तैयार किया जाता है। उसको बालु तथा सिमेंट से प्लास्टर करके तैयार किया जात है। उपर के ढक्कन का भी प्लास्टर होता हैं। निचे नल लगाया जाता है। फिल्टर में तीन सतह सनसेन्ड बालु, एक सतह लकड़ी का कोयला तथा एक सतह ईट का छोटा–छोटा टूकड़ा इस्तेमाल किया जाता है। फिल्टर उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन जल एवं कृषि गोष्ठी 08.04.2010 में किया गया। जिसमें प्रखण्ड प्रमुख श्रीमती अरूणा देवी, ब्लॉक के सी.डी.पी.ओ. सहित अभियान के राज्यस्तरीय प्रोग्राम अधिकारी प्रदीप, समता खगड़ीया के कार्यकर्ता एवं बेतिया एम.पी.ए. के साथियों की भागीदारी रही। स्थानीय मुखिया के अलावे शिक्षकगण और पंचायत प्रतिनिधि, आँगनवाड़ी केन्द्र के सेविका और सहायिका, वर्तमान सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पंचायत के सभी वार्ड सदस्य एवं सभी पंच के अलावे अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहें।

पानी फिल्टर उद्घाटन के दौरान एक पानी का जाँच भी किया गया। जहाँ फिल्टर में पानी डालने से पहले आयरन की स्थिति 1.0 से 3.0 मिलिग्राम प्रति लिटर रहा था, जबकि फिल्टर में पानी को डालने के बाद आयरन की स्थिति बिल्कुल नहीं थी। इस पर सभी लोगों को यह भरोसा हो गया कि पानी फिल्टर उपयोगी है।

पानी फिल्टर का प्रभाव :–

इस समारोह से ग्रामीणों को यह जानकारी मिला कि हमलोग दुषित पानी पी रहे हैं, और दिन–प्रतिदिन मरीज बनते जा रहे हैं। ग्रामीण फिल्टर के प्रति जागरूक हुए और पानी फिल्टर की तरफ लोगो का झुकाव बढ़ने लगा। शुद्ध और स्वच्छ पानी के लिए लोग फिल्टर खरीद करके ले गये।

पानी फिल्टर का सामुहिक उपयोग :–

दक्षिण तेल्हुआँ पंचायत के पूर्व मुखिया श्री रामचन्द्र सहनी ने उद्घाटन समारोह में दुषित जल के बारे में जाना तो उनहोने उसी समय एक फिल्टर खरीद करके ले गये। फिल्टर सेट करने के लिए आवष्यक सामग्री जैसे–जाली, सोनसेन्ड बालू, ईट का गीटी, लकड़ी का कोयला इत्यादी का प्रंबंध कर के अभियान कार्यकर्ताओं को बोले की मेरे फिल्टर को सेट कर दिजिए। फिर अभियान के कार्यकर्ता द्वारा पूर्व मुखिया रामचन्द्र सहनी के

फिल्टर को सेट किया गया। इसी तरह 15 से अधिक बिक्री किये गये पानी फिल्टर को घ ार–घर जा करके कार्यकर्ताओ ने सेट किया।

पूर्व मुखिया श्री रामचन्द्र सहनी के पानी को फिल्टर सेट हो जाने के बाद उनके परिवार के लोगों ने शुद्ध पानी पिना शुरू किया। मुखिया जी के छः भाई हैं वे लोग अलग–अलग अपना जीवन बसर करते है। फिल्टर के प्रति उनके भाईयों का भी झुकाव हुआ और मुखिया जी के फिल्टर से ही पानी पिते हैं। मुखिया जी के छः भाईयो के परिवार मे 30–35 व्यक्ति है। वे सभी लोग फिल्टर से पानी पिते है। इतना ही नही फिल्टर के पानी से खाना भी बनाते है। इसके अलावे मुखिया जी के घर के अगल–बगल 6–7 परिवारों में भी इस फिल्टर का उपयोग हो रहा है। इस प्रकार मुखिया जी के एक फिल्टर से 60–70 लोग प्रतिदिन पानी का उपयोग करते है। साथ ही मुखिया जी के घर पर आने वाले सरकारी अधिकारी, कर्मचारी एवं पंचायत के अन्य लोग जिनकी संख्या प्रतिदिन 20–30 के लगभग है, वे सभी भी इसी फिल्टर के पानी को पीते है।

पानी फिल्टर की मांगः–

दक्षिण तेल्हुआ पंचायत से शुरु किया गया पानी फिल्टर की मांग वहॉ के स्थानीय लोगो षिवाजी राय, श्री रामचन्द्र सहनी, भुलन मुखिया, राजबली राय, स्कुल के मास्टर इत्यादि लोगों के द्वारा किया गया तथा लोग खरीद कर ले भी गये। दक्षिण तेल्हुआँ पंचायत के अलावे जमुनिया, जगदीषपुर, झखरा आदि पंचायतों में भी फिल्टर का बिक्री किया गया। लोग फिल्टर खरीद–खरीद कर लगाने लगे है। बांस वाला फिल्टर 720/– रूपया का पड़ रहा था जिसको अभियान ने रियायत दर पर 600/– रूपया में देना शुरू किया था। आज यह मांग किया जा रहा है कि गरब परिवारों के लिए थोड़ा और सस्ता फिल्टर होना चाहिए। इसलिए अब गरीब परिवारों की बढ़ते मांग को देखते हुए 250–300/– रूपया के लगभग पड़ने वाला मिट्टी का फिल्टर बनवाने का काम अभियान के द्वारा शुरू किया गया है। पानी फिल्टर की मांग आज दक्षिण तेल्हुआँ पंचायत से शुरू होकर बेतिया, गौनाहा एवं नौतन प्रखण्ड के गाँव और शहरों में भी होने लगा है।